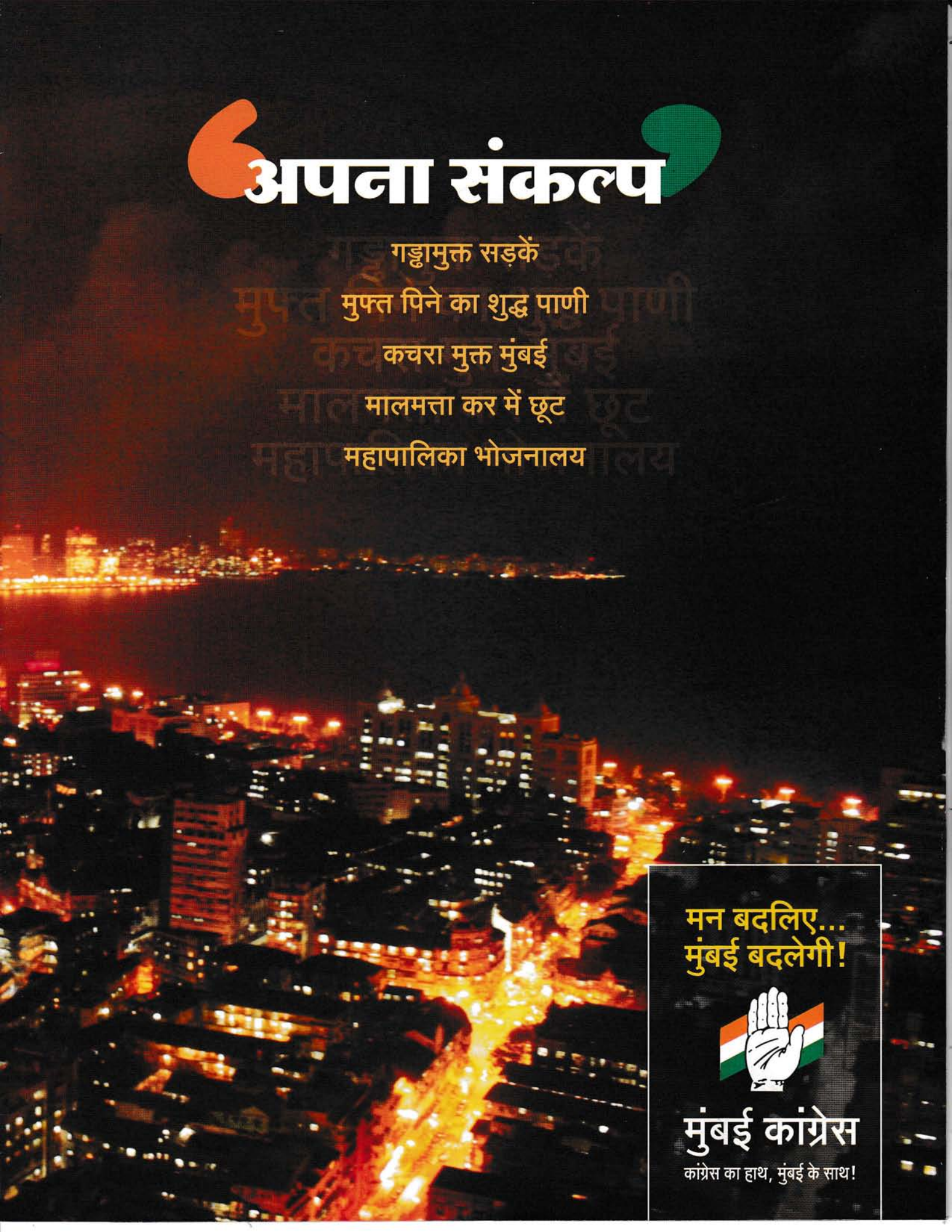
अपना संकल्प
गड्ढामुक्त सड़कें
मुफ्त पिने का शुद्ध पाणी
कचरा मुक्त मुंबई
मालमत्ता कर में छूट
महापालिका भोजनालय
मन बदलिए...
मुंबई बदलेगी!
मुंबई कांग्रेस
कांग्रेस का हाथ, मुंबई के साथ!

प्रस्तावना

मुंबई शहर भारत की आत्मा का प्रतिनिधित्व करता है। जैसे भारत राष्ट्रों में शिष्टाचारपूर्वक अपने शक्तिशाली बनने की राह में अपनी पूर्व निश्चित अवस्था में अग्रसर हो रहा है, इस शक्ति का केंद्र बिंदु मुंबई शहर है। इस शहर को प्राकृतिक संसाधनों, संस्थाओं, अत्यंत प्रतिभावान नागरिकों तथा उच्च संस्कृति द्वारा ईश्वर का वरदान प्राप्त है। इसके बावजूद २० वर्षो से अधिक काल से मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरशन में शिवसेना बीजेपी के कुशासन के कारण यह मुंबई शहर अपने खोये हुए दो दशकों को पुर्नस्थापित करने के लिए संघर्षरत है जबकि घटिया शासन इस शहर को हर प्रकार से बर्बाद करने पर तुला हुआ है। चाहे वह गड्ढों भरी सड़कों का मामला हो या पानी की भारी बर्बादी का, ट्रैफिक की अति धीमी गति, सार्वजनिक परिवहन की नाजुक दशा, अपशिष्ट (वेस्टेज) का कमज़ोर प्रबंधन, म्युनिसिपल स्कूलों का खराब प्रदर्शन, स्वास्थ्य कल्याण तंत्र की दुर्दशा, शिवसेना बीजेपी के गठबंधन ने ख़राब प्रशासन के मामले में पूरे देश में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस गठबंधन की बड़ी असफलताओं में एक यह भी है कि सबसे सामान्य योजनाएं भी पूरी नहीं की गई, जिसकी वजह निरंकुश भ्रष्टाचार, अयोग्यता तथा लापरवाही भरा रवैया रहा है।

पिछले ६ महीने से कांग्रेस पार्टी, उसके नेतागण, कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में बाहरी विषेशज्ञों की टीम एक साथ जुट कर उन समस्याओं को समझने की कोशिश कर रहे हैं, जिनका मुंबई शहर सामना कर रहा है। वे प्रत्येक समस्या के लघु अवधि (शॉर्ट टर्म) तथा दीर्घ अवधि (लांग टर्म) समाधान ढूंढ रहे हैं। दूसरे स्तर पर हम एक ऐसे शहर की कल्पना करते हैं जो शहर में भविष्य की ज़रूरतों को पूरा कर सके। हमारा स्वप्न इसे शंघाई अथवा सिंगापुर बनाने का नहीं बल्कि मुंबई को एक ऐसा अनोखा शहर बनाने का है, जिसकी विश्व में अपनी एक मिसाल हो। जो एक अद्वितीय शहर बने जिसका आधार मेहनती तथा ईमानदार नागरिकों के लिए असीमित सामाजिक गतिशीलता हो।

हमारे संदृश्य प्रलेख (विज़न डॉक्युमेन्ट) में हमारा स्वप्न एक ऐसा प्रगतिशील शहर बनाने का है, जो अपने नागरिकों का पूरा खयाल रखे तथा उन्हें वो तमाम सुविधाएं एवं सेवाएं मुहैया कराए, जिससे नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाया जा सके तथा उनको सुख, संतोष तथा सुगमता के साथ जीवन गुज़ारने का अवसर मिल सके। यह केवल तभी संभव है जब शासन सहयोगी लोकतंत्र पर आधारित हो तथा म्युनिसिपलटी का प्रत्येक कार्य पारदर्शी, आंकलन योग्य तथा उत्तरदायित्वपूर्ण हो। हमारा विज़न डॉक्युमेन्ट विशेषरूप से महिलाओं, युवाओं तथा समाज के कमज़ोर वर्ग के लिए केंद्रित है।

जल

जी हां, यह बिल्कुल मुमकिन है... सिर्फ इच्छा शक्ति चाहिए!

'जीवन जीने का अधिकार' के विस्तार के रूप में हमारा कर्तव्य है कि हम अपने नागरिकों को स्वच्छ पेय जल मुहैया कराए। परंतु अनेक वादों के बावजूद, मुंबईवासियों के लिए चौबीसों घंटे पानी की उपलब्धता एक दिवा स्वप्न ही बना हुआ है। एक अनुमान के मुताबिक मुंबई को प्रतिदिन लगभग ४५००० लाख लीटर पानी की आवश्यकता पड़ती है। परंतु BMC किसी प्रकार विभिन्न श्रोतों के माध्यमों से मात्र ३५००० लाख लीटर पानी का ही प्रबंध करती है–उसमें से भी आपके घर तक पहुंचते–पहुंचते ३०% पानी बर्बाद हो चुका होता है।

पिछले २० वर्षो के बजट में निर्धारित हज़ारों करोड़ रुपए खर्च करने के बावजूद BMC पानी का रिसाव रोकने, चोरी, जल प्रदूषण की जांच तथा समस्त कनेकनों के १००% मीटर लगाने की प्रक्रिया पूरी नहीं कर सकी है।

यहां INC द्वारा निम्नलिखित कार्य करने की योजना है:

निशुल्क पानी :

- प्रत्येक कुटुंब को उनके गरजनुसार पिने का पानी निशुल्क दिया जाएगा।
- प्रत्येक घर में पानी का कनेकशन केवल १५००/– रु. में लगाया जाएगा।
- हम पानी के रिसाव को घटाने के लिए कार्य करेंगे। हमारा लक्ष्य होगा इस रिसाव को १०–१५% कम करना।
- पूरी तरह अत्याधुनिक डिजिटल प्रणाली की स्थापना ताकि शहर में पानी के प्रवाह को नापा जा सके तथा चोरी एवं रिसाव पर रोक लगाई जा सके।
- १०० प्रतिशत वॉटर मीटर लगाने की योजना युद्धस्तर पर कार्यान्वित करेंगे।
- **टैंकरमुक्त मुंबई** बनाने का हमारा लक्ष्य होगा।

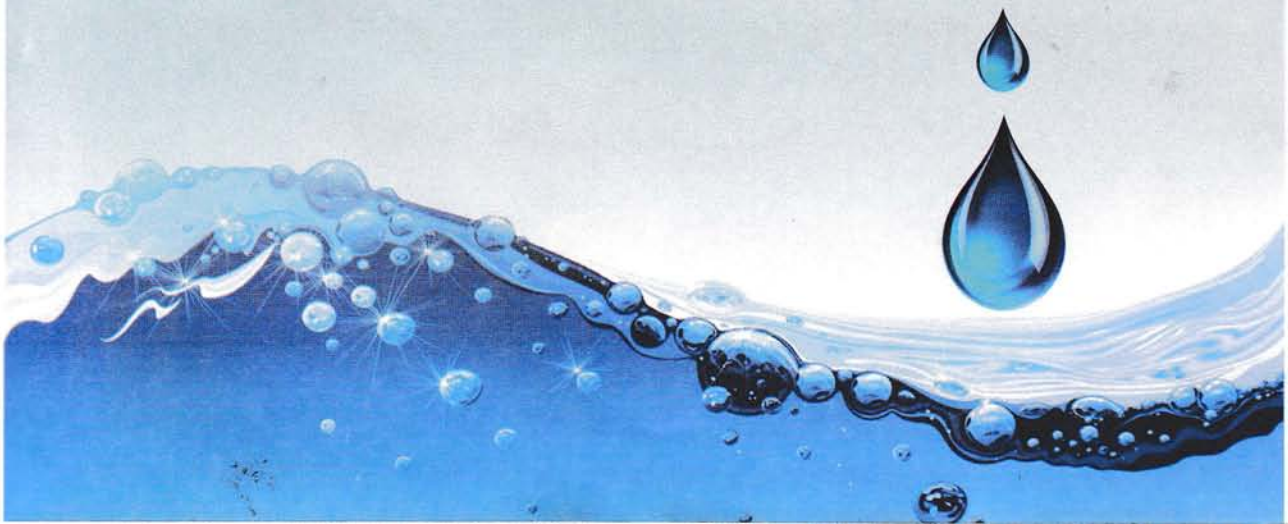

सड़कें

जी हां, यह बिल्कुल मुमकिन है... सिर्फ इच्छा शक्ति चाहिए!

हर साल मानसून के आते ही मुंबईवासी BMC के सड़कों की दशा सुधारने के खोखले दावों पर बहुत निराश हो जाते हैं। यह सब इस वास्तविकता के बावजूद है जब कि रास्तों की देखभाल के विभाग को BMC के कुल बजट का सबसे अधिक हिस्सा निर्धारित किया जाता है। BMC ने वर्ष २०१५–१६ में सड़कें तथा ट्रैफिक पर ३२०० करोड़ खर्च कर डाले, जो कुल बजट का १०% हिस्सा है। ख़राब सड़कों की वजह से ट्रैफिक जाम तथा विभिन्न अन्य कारणों के साथ ही प्रदूषण भी बढ़ता है। मुंबई शहर की गिनती विश्व में (Numbeo* द्वारा) के ट्रैफिक इंडेक्स के मुताबिक सबसे ख़राब ट्रैफिक दशाओं वाले शहरों में होती है।

मुंबई में सड़कों पर कार की सघनता (डेन्सिटी) राष्ट्र की राजधानी दिल्ली से ५ गुना अधिक है, जबकि दिल्ली में निजी कारों की संख्या सबसे अधिक है, अर्थात यह मुंबई से ३ गुना ज़्यादा है। पिछले ६ वर्षो से सड़कों की लंबाई २००० किलो मीटर पर ही अटकी हुई है।

हमारी इच्छा है कि मुंबई की सड़कों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर का बनाएं।

यहां INC द्वारा निम्नलिखित कार्य करने की योजना है:

- आगामी ७ वर्षो में समस्त सड़कें कांक्रीट की बनाई जाएंगी।
- यह सुनिश्चित किया जाएगा कि नयी सड़कों के साथ उपयोगी वाहिनियां (डक्ट्स) भी बनायी जाएं।

रोड डॉक्टर :

- प्रत्येक वार्ड में सड़कों की देखभाल के लिए इंजीनियर टीम की नियुक्ती होगी।
- **रोड डॉक्टर** यूनिट्स – प्रत्येक वार्ड में २४ घंटे के अंदर गड्ढों की शिकायतों को दूर करने के लिए आधुनिक फिलिंग मशीनों तथा तुरंत प्रतिक्रिया करने वाले दलों की व्यवस्था होगी।
- समस्त सड़कों की दशा का निरीक्षण करने के लिए एक स्वतंत्र ऑडिट की नियुक्ति – सभी सड़कों का वर्गविभाजन/श्रेणीकरण
- विवेकशील ट्रैफिक वितरण तथा प्रबंधन का अध्ययन ताकि सबसे अधिक ट्रैफिक के समय में वितरण तथा ट्रैफिक जाम के प्रमुख कारणों का पता लगाया जा सके।

कचरामुक्त मुंबई

जी हां, यह बिल्कुल मुमकिन है... सिर्फ इच्छा शक्ति चाहिए!

मुंबई में प्रतिदिन ९,५०० मैट्रिक टन कचरा निर्मित होता है। उसमें से केवल ७,००० मैट्रिक टन कचरा मुंबई महानगरपालिका उठाती है। बाकी बचा हुआ २,५०० मैट्रिक टन कचरा ऐसे ही पड़ा रहता है। महापालिका कचरा उठा कर सिर्फ जमा (डंपिंग) करती है मगर उसकी पद्धतिनुसार निपटान व्यवस्था नहीं करती। जिसकी वजह से अब यह आवश्यक हो गया है कि योग्य व्यवस्था का उपयोग करके मुंबई को कचरा मुक्त कराया जाए।

मुंबई में प्रतिदिन २,७०० दशलक्ष लिटर गंदे पानी का निर्माण होता है, जिसमें से केवल १,३८४ दशलक्ष लिटर गंदे पानी पर प्रक्रिया होती है तथा बचा हुआ पानी समुद्र में छोड़ दिया जाता है। यही वजह है कि पर्यावरण की दृष्टि से संपूर्ण गंदे पानी की आधुनिक पद्धति से प्रक्रिया करने की आवश्यकता है।

यहां INC द्वारा निम्नलिखित कार्य करने की योजना है:

- मुंबई स्वच्छ तथा कचरामुक्त हो यह हमारा सर्वप्रथम ध्येय होगा।
- मुंबई के तीनों ही डंपिंग ग्राउंड मुंबई के बाहर ले जाने की व्यवस्था की जाएगी।
- अंतर्राष्ट्रीय पद्धति से कचरे की निपटान व्यवस्था का तंत्र मुंबई लाया जाएगा।
- अंतर्राष्ट्रीय शहरों के अनुरूप कचरे से बिजली–गैस–खाद निर्माण करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।
- मुंबई के गंदे पानी की हर बूंद पर प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए 'गंदा पानी प्रक्रिया प्लांट' जगह जगह तैयार किया जाएगा।

स्वास्थ्य

जी हां, यह बिल्कुल मुमकिन है... सिर्फ इच्छा शक्ति चाहिए!

भारतीय सरकार के पास उसके समस्त नागरिकों के लिए कोई राष्ट्रीय स्वास्थ्य कल्याण योजना (नेशनल हेल्थ केयर प्लान) नहीं है। हालांकि मूलभूत स्तर की किफायती स्वास्थ्य कल्याण सुविधाएं देना सरकार का बुनियादी कर्तव्य है। यह कर्तव्य सत्ताधारी सरकार की तरफ से दक्षतापूर्वक पूरा नहीं किया जा रहा है। अधिकांश स्वास्थ्य संबंधी ख़र्च बीमाकर्ता कंपनिओं की बजाए रोगी तथा उसके परिवार द्वारा वहन किया जाता है। इसकी वजह से अनेक परिवारों पर स्वास्थ्य खर्च़ का संकट (CHE) पैदा हो गया है। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो स्वास्थ्य खर्च़ ने परिवारों के जीवन स्तर को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है।

महापालिका, जो मुंबई में प्राथमिक (प्राइमरी) तथा द्वितीयक (सेकेण्डरी) स्वास्थ्य कल्याण की सुविधाएं देने वाली संस्था है, पिछले २५ वर्षो से इस मद में व्यय (समानुपाती) करने में लगातार गिरावट दर्ज करती आ रही है। स्वास्थ्य संरचना दयनीय अवस्था में है तथा शहर में सार्वजनिक स्वास्थ्य स्तर सुधारने के लिए काफी कुछ किए जाने की आवश्यकता है। वर्तमान के BMC बजट की लगभग २३०० करोड़ की राशि से काफी कार्य किए जा सकते हैं।

यहां INC द्वारा निम्नलिखित कार्य करने की योजना है:

- महापालिका के बजट मे आरोग्यसेवा का निधी १५% तक बढाया जाएगा।
- महापालिका के समस्त अस्पतालों में निशुल्क औषधियां वितरित की जाएंगी।
- **'डॉक्टर आपके द्वार पर'** की योजना के अंतर्गत प्रत्येक चुनाव क्षेत्र में चलता-फिरता दवाखाना शरू किया जाएगा जीसमें मरीजों के लिए एक डॉक्टर, एक नर्स तथा औषधोपचार निशुल्क होगा।
- गर्भवती महिलाओं के लिए प्रसूतिकाल में अस्पताल आने-जाने के लिए निशुल्क सेवा दी जाएगी।
- BMC के समस्त स्वास्थ विभागों में निशुल्क रक्त।
- २०-४० वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं के लिए निशुल्क वार्षिक स्वास्थ्य जांच।
- शहर में पालिका के डॉक्टरों तथा स्वास्थ्य कर्मचारियों की संख्या में २-३ गुना बढ़ोतरी करना।
- मुंबई के प्राइवेट डॉक्टरों से समन्वय स्थापित करके महापालिका के अस्पतालों में निशुल्क सेवा देने के लिए एक विशेष पैनल की स्थापना की जाएगी।

शिक्षा

जी हां, यह बिल्कुल मुमकिन है... सिर्फ इच्छा शक्ति चाहिए!

BMC मुंबई शहर के बच्चों को प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने के लिए जिम्मेदार होती है। इसके लिए २५०० करोड़ से अधिक की राशि का बजट में निर्धारण है, जो ५०,५०० रुपए प्रति बच्चा/प्रति वर्ष होता है – इसके बावजूद BMC विद्यार्थियों को अच्छे स्तर की शिक्षा प्रदान करने में नाकाम है तथा वह अनेक समस्याओं से ग्रस्त है। वास्तविकता तो यह है कि BMC के स्कूल RTE स्तर को भी पूरा नहीं करते। BMC का शिक्षा बजट पिछले दो वर्षो में गिरावट दर्ज कर रहा है।

यहां INC द्वारा निम्नलिखित कार्य करने की योजना है:

- प्रत्येक BMC स्कूल को RTE के स्तर का बनाना सुनिश्चित करना है।
- वे तमाम स्कूल जो बंद हो चुके हैं – उन्हें दोबारा शुरू कराया जाएगा।
- समस्त स्कूलों की संरचना को उन्नत किया जाएगा।
- स्तरीय शिक्षकों की कमी की समस्या को दूर किया जाएगा।
- **अंतर्राष्ट्रीय स्कूल योजना** – शुरू में पायलट के तौर पर हम BMC के एक स्कूल को उन्नत करके अंतरार्ष्ट्रीय स्तर का बनाएंगे तथा उसके अनुभव से – हम शहर भर में उसी प्रकार के अन्य अनेक स्कूल प्रस्थापित कर देंगे।
- प्रत्येक वार्ड में एक अत्याधुनिक डिजिटल तथा पारंपरिक लायब्रेरी होगी।
- मनपा स्कूल के विद्यार्थियों के लिए ५ किलोमीटर दूरी तक के लिए नि:शुल्क यात्रा बसपास सेवा।

महापालिका भोजनालय

जी हां, यह बिल्कुल मुमकिन है... सिर्फ इच्छा शक्ति चाहिए!

मंहगाई बढ़ने के कारण भोजन की कीमतें भी बहुत बढ़ चुकी हैं, जिसके कारण ग़रीब तथा निम्न मध्यम वर्गो पर, जो शहर की आबादी का ६०% हैं, काफी बोझ पड़ रहा है। आय वृद्धि की धीमी दर ग़रीबों की इस समस्या को बढ़ाती जा रही है। देश में अनेक कैफेटेरिया कार्यक्रम ग़रीबों को लक्ष करके सफलता पूर्वक कार्यरत हैं तथा उन्होंने ग़रीब तथा निम्न मध्यम वर्गो के लिए भोजन की अच्छी गुणवत्ता तथा सस्ती कीमत के विषय में एक मिसाल कायम की है।

यहां INC द्वारा निम्नलिखित कार्य करने की योजना है:

- **महापालिका भोजनालय:** महापालिका भोजनालय जगह-जगह शुरू किए जाएंगे जहां सस्ती दरों पर पेटभर भोजन उपलब्ध होगा। शुरूआत में यह योजना महापालिका के प्रमुख केंद्रों पर शुरू की जाएगी। बाद में समस्त नागरिकों की सुविधा के लिए शहर में अधिक से अधिक भागों में ऐसे भोजनालय शुरू किए जाएंगे।
- सभी महापालिका भोजनालय महिला बचत गुट के माध्यम से चलाए जाएंगे।

मनपा थाली:

- महापालिका भोजनालय में सर्वसाधारण को कम से कम २०/- रु. की दर से **'मनपा थाली'** देने की व्यवस्था की जाएगी। मतलब केवल २०/- रु. में पेटभर भोजन.

खुली जगह

जी हां, यह बिल्कुल मुमकिन है... सिर्फ इच्छा शक्ति चाहिए!

गणना के मुताबिक मुंबई में प्रति व्यक्ति केवल १.१ वर्गमीटर खुला स्थान है। जबकि उदाहरण के लिए लंदन में प्रति व्यक्ति इसका ३० गुना अधिक खुला स्थान है। हमारा ध्येय इसमें कई गुना वृद्धि करना है ताकि नागरिकों को बेहतर जीवन जीने का लाभ प्राप्त हो सके।

मुंबई के समस्त खुले स्थान सरकार अथवा सरकारी विभागों के नियंत्रण में होंगे, पिछले ३ वर्षो में BMC ने खुले स्थानों के रखरखाव के लिए मात्र १५० करोड़ रूपए ही खर्च किए हैं जबकि ८ लाख चौ.फूट की खुली जगहें अब भी निजी संस्थाओं के नियंत्रण में हैं।

यहां INC द्वारा निम्नलिखित कार्य करने की योजना है:

- सभी खुली जगहें (RG, PG, Garden) महापालिका के कब्ज़े में लिए जाएंगे।
- सभी खुली जगहों का मेंटेनन्स महापालिका खुद करेगी।
- सभी खुली जगहोंपर मुंबईवासीओं को विनामूल्य प्रवेश मिलेगा।
- खुली जगहों की देखभाल करने के लिए मनपा एक स्वतंत्र विभाग स्थापित करेगी।
- खुली जगहों पर राजनीतिक नेताओं ने कब्ज़ा करके अतिक्रमण किया हुआ है उन पर कारवाई करके उनके कब्ज़े की जगहों को वापस लेकर उनकी दुकाने बंद करा दी जाएंगी।
- ग़रीब बस्तियों के निकट के खुले स्थानों की पहचान करना ताकि हमारे शहर के ग़रीब नागरिकों का जीवन स्तर सुधारा जा सके।

फेरीवाले तथा फुटपाथ

जी हां, यह बिल्कुल मुमकिन है... सिर्फ इच्छा शक्ति चाहिए!

मुंबई के रास्तों पर कोई भी कहीं भी बैठ कर अपनी दुकान लगा लेता है तथा मुंबई महानगरपालिका कौन सा क्षेत्र हॉकर्स झोन के लिए सुरक्षित है और कौन सा नहीं यह घोषित नहीं करती। इस वजह से मुंबई शहर के नागरिकों को शहर में कहीं भी फुटपाथ पर चलने की जगह ही नहीं मिलती तथा महानगरपालिका अवैध तरीके से यह गोरखधंधा इसी तरह चलने देती है और बदले में ग़रीब फेरीवालों से ३०० करोड़ का हफ्ता वसूलती रहती है।

लगभग ३ वर्ष पहले भारतीय संसद ने एक फेरीवाला संरक्षण कानून पास किया था। इस कानून के अनुसार दे के प्रत्येक शहर में हॉकर्स ज़ोन तथा नो हॉकर्स झोन निश्चित करने का अधिकार महापालिकाओं को दिया गया था। हॉकर्स झोन निश्चित करते समय उस क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों तथा फेरीवालों दोनों को असुविधा न हो इसका ध्यान भी कानून के मुताबिक महापालिका को रखना आवश्यक है, लेकिन इस विषय में महापालिका ने कोई योजना लागू नहीं की गई।

कायदे के मुताबिक शहर में फेरीवालों का रोजगार नियमित करने ने लिए व्यापारीओं को लाइसेंस देने की सुविधा है।

यहां INC द्वारा निम्नलिखित कार्य करने की योजना है:

- संसद में पास किया गया फेरीवाला संरक्षण कानून का अक्षरश: पालन किया जाएगा।
- मुंबई में व्यवसाय करने वाले समस्त फेरीवालों को कानूनी लाइसेंस दे कर उनसे वसूल किया जाने वाला हफ्ता बंद किया जाएगा, जिससे व्यापारियों एवं रहवासियों को न्याय दिलाया जा सकेगा।
- मुंबई के समस्त रास्तों पर अच्छे, साफसुथरे तथा मुक्त फुटपाथों की व्यवस्था।
- निर्धारित फुटपाथों पर ही फेरीवाले व्यवसाय कर सकते हैं ऐसी कानूनी तौर पर समुचित व्यवस्था लागू की जाएगी।

युवाओं के लिए हमारा कार्यक्रम

जी हां, यह बिल्कुल मुमकिन है... सिर्फ इच्छा शक्ति चाहिए!

मुंबई शहर में आज लगभग २७ लाख ५० हज़ार युवा हैं जो १५–२५ वर्ष आयु वर्ग के हैं। अर्थात इस शहर की पूरी आबादी का हर ५ वां व्यक्ति १५–२५ वर्ष की आयु का युवा है। इनमें १० लाख से भी अधिक युवा शहर के शिक्षण संस्थानों में पढ़ने जाते हैं। हमारी दृष्टि के अनुसार उन प्रशिक्षार्थी युवाओं के लिए शिक्षा अनुभवों को उज्ज्वल बनाना है तथा उन युवाओं के रोज़गार के अवसरों के स्तर तथा गुणवत्ता को सुधारना है जो या तो रोज़गार क्षेत्र में प्रवेश कर चुके हैं या जल्द ही प्रवेश करने वाले हैं। आजकल के बच्चे तकनीक के क्षेत्र में सबसे अधिक रुचि लेते हैं, इसलिए इन युवाओं को तकनीकी क्षेत्रों में सफलता दिलाने के लिए कॉर्पोरेशन द्वारा जितना संभव हो उतनी सहायता एवं समर्थन देना चाहिए।

यहां INC द्वारा निम्नलिखित कार्य करने की योजना है:

- प्रत्येक वार्ड में इलेक्ट्रॉनिक/डिजिटल, अत्याधुनिक एक लाइब्रेरी किताबों सहित (विभिन्न प्रतियोगी परिक्षाओं की तैयारी करने के लिए), समाचार पत्र, कंप्यूटर्स +WIFI
- निशुल्क बस यात्रा (पास) स्नातक तक के विद्यार्थियों के लिए।
- विवस्तर के क्रीडा संकुल तथा सुविधाएं जो प्रत्येक ५ वार्डो में एक होगा, ताकि युवाओं को उनके खेल कौशल के साथ ही साथ उनकी स्वस्थ जीवनशैली को भी प्रोत्साहन दिया जा सके। खेलों को एक कैरियर के रूप में (शौक से कहीं अधिक) प्रोत्साहित किया जाएगा– खेलों को बेहतर बनाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर के केंद्र–ओलंपिक खेलों को ध्यान में रखते हुए–यह केंद्र प्रत्येक विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में एक होगा। कम से कम एक जिम प्रति वार्ड होगा जिसका रखरखाव BMC करेगी– जिसके लिए BMC स्कूलों की जगह, जो तमाम वार्डो में उपलब्ध हैं, का जिम के लिए उपयोग किया जाएगा। सेवानिवृत/कार्यरत खिलाड़ियों को इन योजनाओं के लिए ब्रांड एम्बेसडर के रूप में नियुक्त किया जा सकता है।
- अंग्रेज़ी तथा मराठी भाषा पढ़ने–बोलने में कुशल बनाने के लिए प्रशिक्षण केंद्रों की व्यवस्था करना ताकि निम्न मध्यम वर्ग के युवाओं को रोज़गार क्षेत्रों में बेहतर अवसरों के लिए योग्य बनाया जा सके।
- **मुंबई विद्यार्थी सेल्फ करिअर:** वे युवा (१५–२५ वर्ष की आयु) जो वर्ष में ५ दिनों के लिए BMC की स्वेच्छा से मदद करेंगे उन्हें एक स्मार्टफोन तथा वर्ष भर के लिए निशुल्क WIFI दिया जाएगा। यह कार्यक्रम ना केवल युवाओं को समाजिक कार्यो के प्रति जागरूक करेगा बल्कि उन्हें असीमित इंटरनेट प्रदान करके अपने कैरियर की तैयारी करने में भी मददगार होगा।

महिलाओं के लिए हमारा कार्यक्रम

जी हां, यह बिल्कुल मुमकिन है... सिर्फ इच्छा शक्ति चाहिए!

शहर में १८ वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं की संख्या ४० लाख से भी अधिक है। TOI-IMRB के एक सर्वेक्षण के अनुसार ४ में से १ महिला हर समय अपने आप को असुरक्षित महसूस करती है। ७०% महिलाएं सड़कों पर अभद्र व्यवहारों का शिकार होती हैं। ४४% महिलाओं के लिए सुरक्षा सबसे अहम समस्या है जबकि ४३% महिलाओं की सबसे प्राथमिक समस्या है शौचालय का प्रयोग। निचले स्तर के कार्य करने की सहभागिता दर (१६%) है तथा प्रसूति संबंधित लगातार मृत्युएं शहर के सामाजिक ढांचे की दुर्दशा का आभास कराती हैं। सशक्तिकरण का अभाव स्वास्थ्य कल्याण, शिक्षा तथा आय के लिए एक बड़ी अड़चन होती है। महिलाओं की एक विशाल संख्या अनौपचारिक रूप से कार्यरत होती हैं, जिनको बहुत कम सुरक्षा मिलती है तथा अक्सर वे अरुचिकर कार्यस्थलों में काम करती हैं।

यहां INC द्वारा निम्नलिखित कार्य करने की योजना है:

- मनपा भोजनालय' के उपक्रम में बचत गुट की महिलाओं को प्रमुखता देकर रोज़गार का निर्माण किया जाएगा।
- **राइट टू पी:** केवल महिलाओं के लिए उत्तम दर्जे के शौचालय शहर के विभिन्न स्थानों में निर्मित किए जाएंगे जिनपर बड़े अक्षरों के बोर्ड लगाए जाएंगे। और यहाँ पर महिलाओं के लिए फ्रि सॅनिटेरीन नैपकीन के लिए वेंडिंग मशीन की सुविधा होगी.
- **महिलाओं के लिए प्रशिक्षण केंद्र:** प्रत्येक क्षेत्र में कौशल विकास केंद्र की स्थापना करके उनकी कलाओं को प्रोत्साहन दिया जाएगा।
- २०–४० वर्ष की आयु वर्ग की महिलाओं के लिए निशुल्क वार्षिक स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था।
- महिला – शिशुसदन ग़रीब महिलाओं के लिए
- ग़रीब बस्तियों के निकट खुले स्थानों की व्यवस्था जहां महिलाएं अपने छोटे बच्चों के साथ समय बिता सकें।
- स्वास्थ्य कल्याण की सुविधाओं तक आसान पहुंच जहां महिलाएं अपने तथा बच्चों के लिए जा सके।
- महिलाओं की सुरक्षा के लिए महापालिका की ओर से मुंबई पुलिस के साथ सयुंक्त उपक्रम।
- मनपा भोजनालयों में महिलाओं के लिए स्वतंत्र आरक्षित टेबल की सुविधा।

मालमत्ता कर में छूट

प्रशासनीय सुधार तथा पुर्नसंरचना

जी हां, यह बिल्कुल मुमकिन है... सिर्फ इच्छा शक्ति चाहिए!

महापालिका की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है उसकी सेवाओं के निष्पादन में अक्षमता। जिसमें तंत्र द्वारा योजनाओं तथा सेवाओं को जनता तक कुशलतापूर्वक पहुंचाने की बजाए, महापालिका राज्य सरकार अथवा स्थानीय नगरसेवकों पर निर्भर करती है कि वे जनता तक मूल सेवाए पहुंचाएं। हम इस व्यवस्था में सुधारों की एक श्रेणी का प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे, जिससे महापालिका पर सेवाएं मुहैया कराने का भारी दबाव बनेगा।

यहां INC द्वारा निम्नलिखित कार्य करने की योजना है:

- जब तक BMC लगभग ५१००० करोड़ की आरक्षित राशि पर निर्भर होकर बैठी रहेगी तब तक बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार तथा प्रतिवर्श बजट के कम उपयोग किए जाने पर रोक नहीं लगेगी, इसके लिए हमने योजना बनाई है कि क्षतिपूर्ति के तौर पर ७०० वर्गफीट से कम की तमाम संपत्ति करों को पूरी तरह हटा दिया जाएगा तथा ७०० वर्गफीट से अधिक की संपत्ति का कर ५०% हटा दिया जाएगा।
- वर्तमान में BMC द्वारा जितने भी प्रकार के लाइसेंस जारी किए जाते हैं उनके लिए नागरिकों को जगह–जगह धक्के खाने पड़ते हैं, जिनमें से अधिकांश का परिणाम रिश्वतखोरी पर खत्म होता है। इसके लिए क्लियरेंस विभाग को अधिक कुशल तथा अधिक पारदर्शी बनाना होगा–इससे अंतिम उपभोक्ताओं तथा निर्माणकर्ताओं को लाभ होगा। भ्रष्टाचार में कमी घरों की कीमतों में गिरावट लाएगी।
- प्रत्येक तीन माह में एक नगर सभा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें BMC के अधिकारियों तथा परिचालन समिति के प्रमुखों (steering committee heads) द्वारा प्रर्दान तथा समस्याओं के विषय में नागरिकों के साथ चर्चा होगी।
- प्रत्येक तीन माह में एक प्रजा सभा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें वार्ड स्तर के अधिकारियों तथा नगरसेवकों द्वारा प्रर्दान तथा समस्याओं के विषय में नागरिकों के साथ चर्चा होगी।

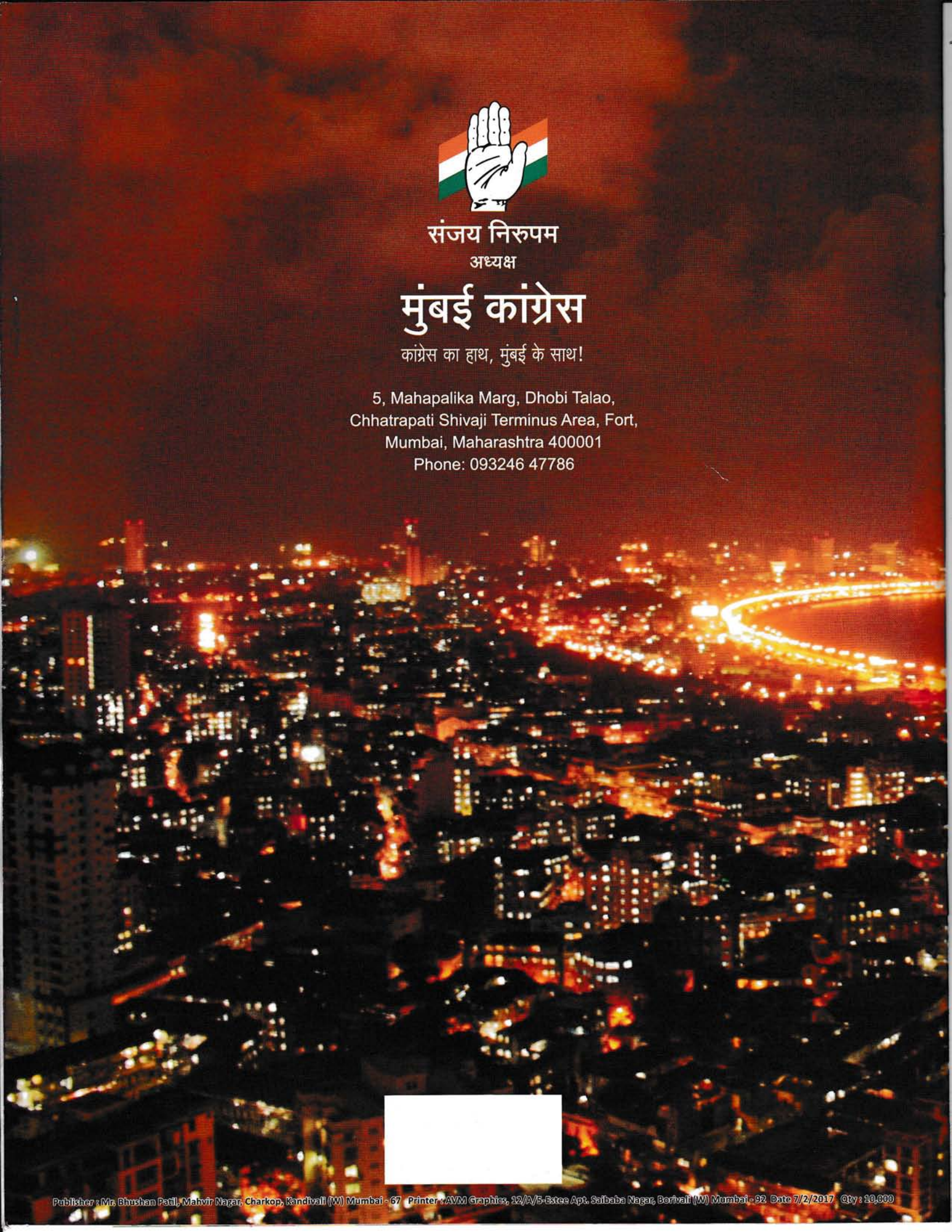

संजय निरुपम

अध्यक्ष

मुंबई कांग्रेस

कांग्रेस का हाथ, मुंबई के साथ!

5, Mahapalika Marg, Dhobi Talao,
Chhatrapati Shivaji Terminus Area, Fort,
Mumbai, Maharashtra 400001
Phone: 093246 47786

Publisher : Mr. Bhushan Patil, Mahvir Nagar, Charkop, Kandivali (W) Mumbai - 67 Printer : AVM Graphics, 12/A/5-Estee Apt. Saibaba Nagar, Borivali (W) Mumbai - 92 Date 7/2/2017 Qty : 10,000